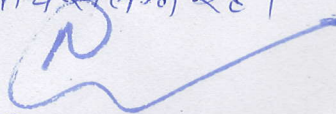


1-2024 मंत्रालयी मेश दुई। वकील उभयपक्ष उमस्थित।
वकील पार्थी द्वारा प्रस्तुत पार्थना-पत्र अंतर्गत धारा-151 जादी-
पर बहस सुनी गयी। वकील पार्थी द्वारा उक्त बहस कथन
किया गया कि सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) एवं आतिष्ठ
जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) भीलवाड़ा के प्रकरण संख्या-179/2018
अवार्ड दिनांक 09-11-2020 के विरुद्ध एक अन्य पार्थना-पत्र
भी इस न्यायालय में विचाराधीन है। अन्त में कथन किया
कि उक्त दोनों प्रकरणों (प्र.सं. 64/2020 एवं 61/2020) की
विषयवस्तु एवं पक्षकारों का हित समान है इसलिए
दोनों प्रकरणों को कन्सोलेटेड किया जावे। वकील अपार्थी
ने उक्त प्रकरणों को कन्सोलेटेड किये जाने से कोई आपत्ति
नहीं होने का कथन किया। मैंने वकील उभयपक्ष को सुना।
प्र.सं. 64/2020 एवं 61/2020 का अवलोकन किया, उक्त दोनों
प्रकरण सक्षम प्राधिकारी एवं आतिष्ठ जिला मजिस्ट्रेट, भीलवाड़ा।
के प्र.सं. 179/2018 अवार्ड दिनांक 09-11-2020 के विरुद्ध
विचाराधीन है। ऐसी स्थिति में पूर्ववर्ती प्र.सं. 61/2020 के साथ
प्रश्नातवती प्र.सं. 64/2020 को कन्सोलेटेड किये जाने के आदेश
दिये जाते हैं। यह प्रकरण प्र.सं. 61/2020 के साथ संलग्न रहे।


जिला कलक्टर
भीलवाड़ा